हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

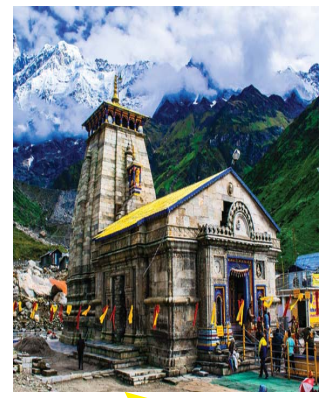

वर्ष:5 अंक:19 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

‘हम बदलेंगे, युग बदलेगा’ का सूत्र ही राष्ट्र परिवर्तन की कुंजी : अमित शाह

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आचार्यश्री पंडित श्रीराम शर्मा जी ने सम्पूर्ण मानवता को व्यक्ति निर्माण का मार्ग दिखाया, जो सर्वजन कल्याण के लिए है। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्र के जागरण का समय आ गया है। यह बात उन्होंने अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार द्वारा आयोजित शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए कही।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पावन भूमि पर विशेषकर सप्तर्षि भूमि शांतिकुंज में आकर हजारों वर्षों की तपस्या की ऊर्जा का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के उपकारों से कभी ऋणमुक्त नहीं हो सकता। आचार्यश्री ने गायत्री महामंत्र को जन-जन तक सर्वसुलभ बनाया, वैश्विक मानवतावाद की अवधारणा को सुदृढ़ किया और वैज्ञानिक अध्यात्मवाद को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। कहा कि ‘हम बदलेंगे, युग बदलेगा’ का सूत्र ही राष्ट्र परिवर्तन की कुंजी है। गायत्री महामंत्र केवल संस्कृत का मंत्र नहीं, बल्कि जप करने वाले साधक के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला जीवन मंत्र है। उन्होंने कहा कि जो भारत और उसकी संस्कृति को समझता है, वह जानता है कि विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान भारतीय संस्कृति में निहित है।

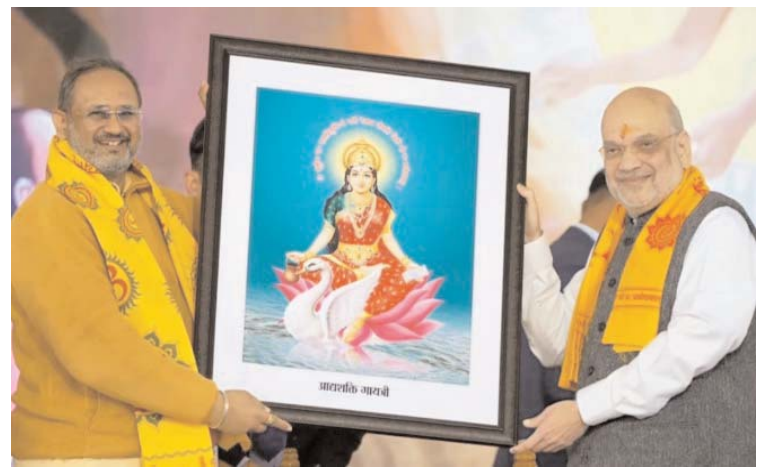

गायत्री परिवार रूपी बीज बना एक विशाल वटवृक्ष : पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पूज्य गुरुदेव पंड़ित श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा रोपित अखिल विश्व गायत्री परिवार रूपी बीज आज एक विशाल वटवृक्ष का स्वरूप धारण कर चुका है, जो विश्वभर के असंख्य लोगों को ज्ञान, संस्कार और सद्भाव की छाया प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गायत्री परिवार केवल एक धार्मिक संस्था नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक नवजागरण का एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है, जो भारत की आध्यात्मिक चेतना को देश की सीमाओं से बाहर ले जाकर विश्व के कोने-कोने तक पहुँचा रहा है। शताब्दी समारोह के दलनायक डॉ चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यह आयोजन सभी के लिए हम सभी के सौभाग्य का दिन है, जो पूज्य माताजी के अवतरण के शताब्दी वर्ष से जुड़ा हुआ एक ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक अवसर है। डॉ. पण्ड्या जी ने कहा कि यह भूमि योगियों और साधकों की रही है, जहाँ से स्वाभिमान, साधना और तप की परंपरा ने राष्ट्र को दिशा दी है। उन्होंने पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के संदेशों का स्मरण करते हुए कहा कि जीवन में आने वाली बाधाओं से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें परिवर्तन और प्रगति का माध्यम बनाना ही साधक का कर्तव्य है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत करुणा, दया और ज्ञान की भूमि है तथा भारत के जागरण में ही सम्पूर्ण विश्व का जागरण निहित है। डॉ. पण्ड्या जी ने राष्ट्र-निर्माण के इस यज्ञ में सभी से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। इससे पूर्व राष्ट्र जागरण के समय आ गया है विषय पर आयोजित सभा में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं श्रीराम शर्मा के जीवनवृत्त पर आधारित डॉक्यूमेंट्री दिखाई गयी। समापन से पूर्व गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित अतिथियों को रुद्राक्ष की माला, गंगाजली आदि भेंटकर सम्मानित किया।

पुस्तकों का किया विमोचन

इस अवसर पर गृहमंत्री अमित शाह और राज्यपाल (हिमाचल प्रदेश) शिव प्रताप शुक्ल, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, शताब्दी समारोह के दलनायक डॉ चिन्मय पण्ड्या व अतिथियों ने सतयुग का सूर्योदय एवं मातृवाणी, अनुकंपा एवं वात्सल्य (माताजी की अमृतवाणी) आदि पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धनसिंह रावत, उप्र के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, सांसद श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, विधायक श्री मदन कौशिक, जिला प्रशासन के अनेक अधिकारी और 80 से अधिक देशों से आये हजारों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

शांतिकुंज पहुंच युगऋषिद्वय से लिया आशीर्वाद

बैरागी द्वीप में आयोजित हो रहे शताब्दी समारोह से पूर्व केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह शांतिकुंज पहुंचे और युगऋषि पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा के चरण पादुकाओं तथा सिद्ध अखण्ड दीपक का दर्शन कर आशीष लिया। तो वहीं युगऋषिद्वय की पावन समाधि में पुष्पांजलि अर्पित कर विश्व वधुत्व के भाव की प्रार्थना की। श्री शाह अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय श्रद्धेय डॉ प्रणव पण्ड्या व श्रद्धेया शैलदीदी से आत्मीय भाव से भेंट किया। इस दौरान सामाजिक समसरता एवं विश्व बंधुत्व विषय पर विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया। अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय ने श्री शाह को मंगल तिलक किया और रुद्राक्ष माला, युगसाहित्य, गायत्री महामंत्र लिखित उपवस्त्र आदि भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया पतंजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का लोकार्पण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पतंजलि योगपीठ द्वारा संचालित विश्व के प्रथम इंटीग्रेटेड मेडिसिन सिस्टम तथा योग, आयुर्वेद व आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का वैश्विक केंद्र पतंजलि इमरजेंसी एवं क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल समस्त भारत के नागरिकों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेगा। गुरूवार को देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह ने हॉस्पिटल का उद् घाटन किया। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हास्पिटल का निरीक्षण भी किया और इंटीग्रेटेड मेडिसिन सिस्टम की इस पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि यह हॉस्पिटल विश्व का प्रथम हाइब्रिड हॉस्पिटल बन गया है।

गृह मंत्री दो दिनों के पतंजलि प्रवास पर थे। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रामदेव ने कहा कि यहाँ हम 90 से 99% लोगों को योग, आयुर्वेद, नेचुरोपैथी, पंचकर्म, षट्कर्म, पंच महाभूत चिकित्सा, मेडिकेटिड वाटर व फूड, उपवास, उपासना से ठीक करेंगे। उन्होंने कहा कि बीमारियों के मुख्य कारण- स्ट्रेस, इंफ्लामेशन तथा शरीर का अशुद्धिकरण है। उन्होंने बताया कि ऋषिकेश, दिल्ली, गुवाहाटी, जम्मू कश्मीर, भोपाल आदि लगभग 10 एम्स में पतंजलि संयुक्त रिसर्च कर रहा है। इसके साथ-साथ आस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका सहित विश्व के 25 बड़े मैडिकल इंस्टीट्यूशंस के साथ मिलकर वैश्विक स्तर का हम रिसर्च कर रहे हैं।

हम एलोपैथी के विरोधी नहीं

लोग कहते थे कि स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण व पतंजलि एलोपैथी के विरोधी हैं, एलोपैथी से भी हमारी सिंपैथी है लेकिन नितांत आवश्यकता होने पर ही । हम गैर जरूरी दवा, गैर जरूरी ऑपरेशन, गैर जरूरी टेस्टिंग के विरोधी हैं। किडनी रोगियों के लिए हमारे यहाँ डायलिसिस की भी व्यवस्था है लेकिन जब तक डायलिसिस से बचा जाए तब तक हम पूर्ण प्रयास करते हैं। ब्रेन सर्जरी से पहले हम मेधा वटी, मैमोरी ग्रिट पर विश्वास करते हैं। यज्ञ चिकित्सा में मेधा यिष्टी, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, ज्योतिष्मति से हवन कराते हैं। नैनो मेडिसिन से भी ज्यादा सूक्ष्म पीको मेडिसिन की बात होने लगी है।

न्यून शुल्क पर मिलेगा उपचार

स्वामी जी ने कहा कि आर्थिक दृष्टि से कमजोर रोगियों को पतंजलि में उपचार मिलेगा, वहीं समर्थ लोगों को न्यून शुल्क पर बहुत बड़ी उपचार व्यवस्था यहाँ खड़ी की गई है। विश्व का पहला इंटीग्रेटेड हाइब्रिड हॉस्पिटल पतंजलि में स्थापित किया गया है, भविष्य में इसका विस्तार दिल्ली से लेकर पूरे देश तथा सम्पूर्ण विश्व में किया जाएगा। इंटीग्रेटेड हॉलिस्टिक ट्रीटमेंट के रूप में आज एक नए युग का आरंभ पतंजलि से हो रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में यह अभिनव कीर्तिमान है जिससे आने वाली पीढ़ियाँ प्रेरणा लेंगी। हमारा सपना है कि पूरी दुनिया का हेल्थ डेस्टिनेशन भारत बने। पूरी दुनिया के लोग योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, पंचकर्म, षट्कर्म व शिक्षा लिए भारत आएँ। शिक्षा, चिकित्सा व स्वस्थ जीवन पद्धति की दिशा दुनिया भारत से प्राप्त करेगी।

250 बेड की क्षमता का है अस्पताल

उन्होंने कहा कि वर्तमान में 250 बेड की क्षमता वाला यह नया परिसर अत्याधुनिक अस्पताल पतंजलि इंटीग्रेटेड मेडिसिन सिस्टम पर आधारित है, जिसमें एलोपैथी की आधुनिक तकनीक से सभी प्रकार की मशीनों से डायग्नोज (जांच) की सुविधा है तथा अत्यन्त जटिल मानी जाने वाली ब्रेन, हार्ट, स्पाईन वाली सर्जरी की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, जनरल सर्जरी, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, पैथोलॉजी, डेंटल, द्रुष्ट और इमरजेंसी मेडिसिन के अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टर 24म7 सेवाओं में तैनात हैं। यह अस्पताल केवल रोग का उपचार नहीं करेगा अपितु योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा एवं जीवनशैली परामर्श के माध्यम से रोग की जड़ पर काम करेगा।

1 करोड़ 38 लाख लोगों का किया जा चुका उपचार

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड मेडिसिन सिस्टम का हॉस्पिटल पतंजलि द्वारा स्थापित किया गया है। यहाँ हम पहले से योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, षट्कर्म, नेचुरोपैथी आदि के माध्यम से देश व दुनिया के 1 करोड़ 38 लाख लोगों का उपचार कर चुके हैं। यद्यपि हम यहाँ पहले से ही 90 से 99% प्रतिशत रोगियों का उपचार करते थे परन्तु कुछ क्रिटिकल कंडिशन तथा इमरजेंसी की स्थिति में हम रोगियों को मार्डन सपोर्ट सिस्टम के साथ उपचार करने में सक्षम नहीं थे। क्रिटिकल कंडिशन तथा एक्यूट मैनेजमेंट के लिए हमने यह हॉस्पिटल स्थापित किया है। क्रानिक डिजीज में हम पहले से ही बेहतरीन परिणाम दे रहे थे। यहाँ मेन स्ट्रीम में आयुर्वेद से उपचार किया जाएगा जबकि एलोपैथी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में रहेगी। रोगीहित सर्वोपरि मानकर यहाँ रोगियों के लिए सभी विकल्प उपलब्ध रहेंगे। पतंजलि के 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने वर्षों के रिसर्च से एविडेंस-बेस्ड मेडिसिन्स विकसित की हैं, जो लिवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन और रेस्पिरेटरी सिस्टम के रोगों को जड़ मूल से नष्ट कर रही हैं।

एक नजर

शौक पूरे करने के लिए चुरायी बाइक, पुलिस ने सिखाया सबक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बाइक चोरी कर अपने शौक पूरे करने वाले आरोपी को पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने डिजिटल और मैनुअल पुलिसिंग का इस्तेमाल किया। उसक पास से चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक 20.01.2026 को हरीश चन्द्र शर्मा पुत्र सुनील शर्मा, निवासी B/142 शिवाजी कॉलोनी, ढंडेरा, कोतवाली रुड़की, जनपद हरिद्वार ने अपनी बाइक चोरी के संबंध में तहरीर दी थी। तहरीर के अनुसार दिनांक 18.01.2026 को समय लगभग 15:00 बजे, शिव चौक बुचड़ी फाटक के पास श्मशान घाट क्षेत्र से वादी की रॉयल एनफील्ड मेट्योर 350 मोटरसाइकिल संख्या च17 9544 को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया। तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली रुड़की पर मु0अ0सं0 25/2026 पंजीकृत किया गया। वाहन चोरी की घटना के अनावरण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा कोतवाली रुड़की को निर्देशित किया गया, प्रभारी निरीक्षक मनीष उपाध्याय द्वारा अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिरों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कार्यवाही करते हुए गोल चौराहे के पास से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से मुकदमा उपरोक्त से संबंधित चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई। आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। आरोपियों के नाम जिशान पुत्र फुरकान निवासी ढंडेरा, साबरी मस्जिद के पास, थाना कोतवाली रुड़की, हिमांशु पुत्र सोमपाल निवासी ढंडेरा, साबरी मस्जिद के पास, थाना कोतवाली रुड़की है।

गृहमंत्री अमित शाह को काले झंडे दिखाने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका

पथ प्रवाह, हरिद्वार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को काले झंडे दिखाने जा रहे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक लिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं में तीखी झड़प भी हुई। युवा कांग्रेस कार्यकर्ता ऋषिकुल मैदान के सामने एकत्र हुए और हाईवे की ओर बढ़ने लगे। ऋषिकुल तिराहे पर पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक लिया। इस दौरान धक्का मुक्की भी हुई। कुछ कार्यकर्ता हाईवे की तरफ दौड़ पड़े जिन्हें पुलिस ने दौड़कर पकड़ लिया। सभी को हिरासत में लेकर पुलिस रोशनाबाद पुलिस लाइन ले गई। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैश खुराना, विधानसभा अध्यक्ष गौरव चौहान ने कहा कि बीजेपी सरकार में अपराध बढ रहा है। अंकिता भंडारी मामले में वीआईपी का नाम छुपाया जा रहा है। किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं। जनता भाजपा सरकार से सवाल पूछ रही है लेकिन जनता के सवालों का जवाब नहीं दिया जा रहा है। प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है, आम जनता पीस रही है। नितिन तेश्वर, दिव्यांश अग्रवाल ने कहा कि बीजेपी किसी को भी सुरक्षा नहीं दे पा रही है। शंकराचार्य और ब्राह्मणों को अपमानित किया जा रहा है। देश में अराजकता का माहौल है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता राजबीर सिंह चौहान और महेश प्रताप राणा के अलावा वीरेंद्र श्रमिक, सोम त्यागी, विकास चंद्रा, शुभम जोशी, हिना खातून, अशोक अदालती, समीर अंसारी, मनोज सैनी, रियाजुल अली, सागर बेनीवाल, आदिल त्यागी, सार्थक ठाकुर, सुमित भाटिया, इस्तकार त्यागी, शुभम जोशी, सौरभ सैनी, यश शर्मा, आशु भारद्वाज, अरुण चौहान, मोहन राणा, आशु श्रीवास्तव, लक्की महाजन आदि शामिल थे।

चुनाव आयोग ने विश्व के सामने प्रस्तुत किया अपना डिजिटल मंच ईसीआईनेट , दूसरे निकायों को प्रौद्योगिकी सहयोग की पेशकश

नयी दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम-2026) में चुनाव से संबंधित सभी जानकारी और सेवाओं के लिए भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट का उद्घाटन किया और इसकी प्रौद्योगिकी को दूसरे देशों के साथ साझा करने का प्रस्ताव किया। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भारत मंडपम में चल रहा है। ईसीआईनेट की परिकल्पना श्री ज्ञानेश कुमार ने अपने साथी चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने गृह मंत्री अमित शाह को गंगाजल कलश भेंट कर लिया आशीर्वाद

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दिल्ली प्रस्थान से पूर्व उन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में पावन गंगाजल का कलश भेंट किया और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। यह आत्मीय भेंट गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दयानंद स्टेडियम स्थित हेलिपैड पर सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आशीर्वाद लिया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि अमित शाह का सान्निध्य सदैव नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और सकारात्मक संकल्प से परिपूर्ण रहता है। उनका मार्गदर्शन उत्तराखंड को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के साथ-साथ राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन से उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भटट, पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, नगर विधायक मदन कौशिक, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, तमाम राज्यमंत्री व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पतंग लूटने के चक्कर में घर से दूर निकला बच्चा परिजनों से मिलवाया

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पतंग लूटने के चक्कर में अपने घर का रास्ता भटके बालक को सिडकुल थाना पुलिस ने सकुशल ढूंढकर परिजनों से मिलवाया। पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र की चौहान मार्केट में एक 7 वर्षीय बालक रोते हुए मिला। बालक ने अपना नाम जतिन पुत्र कपिल कुमार, उम्र 07 वर्ष, निवासी धनोरी मिल, थाना अमरोहा देहात, जनपद अमरोहा (उ0प्र0) बताया।

पूछताछ में बालक ने बताया कि वह अपनी बुआ के घर आया हुआ था तथा बच्चों के साथ खेलते-खेलते पतंग लूटने के लिए आगे निकल गया, जिससे रास्ता भटक जाने के कारण अपने परिजनों से बिछुड़ गया।

मार्केट में रोते हुए बालक को कांस्टेबल चेतन, कांस्टेबल रोहित कुमार एवं कांस्टेबल जितेंद्र तोमर द्वारा सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया गया। तत्पश्चात बालक के परिजनों की तलाश हेतु रावली महदूद ब्रह्मपुरी क्षेत्र में गली-गली घूमकर खोजबीन की गई, परंतु परिजन नहीं मिल सके। इसी दौरान थानाध्यक्ष सिडकुल द्वारा टेलीफोन के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक 7 वर्षीय बालक जतिन के परिजन थाने पर उपस्थित हैं। बालक की पहचान हेतु परिजनों द्वारा उपलब्ध कराई गई फोटो का मिलान करने पर यह पुष्टि हुई कि उक्त बालक वही है। तत्काल बालक को थाना सिडकुल लाया गया, जहां उसे उसके परिजनों से सही सलामत मिलवाया गया तथा आवश्यक कार्यवाही के उपरांत बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बालक को सकुशल पाकर परिजनों द्वारा सिडकुल पुलिस एवं हरिद्वार पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री अमित शाह का किया जगह-जगह जोरदार स्वागत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गृहमंत्री अमित शाह का भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जगह जगह जोरदार स्वागत किया। हरिद्वार शहर में जगह-जगह चौराहो को भाजपा के झंडों, बैनरो और पोस्टरो से सजाया गया। कार्यकर्ताओं और आम जनमानस में गृहमंत्री के अभिवादन करने का उत्साह नजर आया।

बहादराबाद तिराहा पर ज्वालापुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर जयपाल चौहान, तेलूराम प्रधान के नेतृत्व में, मोहनपुरा चौराहा बहादराबाद पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान और लव शर्मा के नेतृत्व में , होटल एलिट प्राइड के बाहर कार्यकर्ताओं के द्वारा आशु चौधरी और राजन खन्ना के नेतृत्व में, हरिलोक तिराहे पर कार्यकर्ताओं के द्वारा राजन मेहता और वरुण चौहान के नेतृत्व में स्वागत किया गया। जिलामहामंत्री संजीव चौधरी और अरविंद कुशवाहा के नेतृत्व में शांतिकुंज हाईवे कट एवं शांतिकुंज गेट नंबर 1 पर महिला

कार्यकर्ताओं द्वारा अमित शाह का स्वागत किया गया। विनित जोलीऔर तरुण नय्यर के नेतृत्व में सहगल पेट्रोल पंप पर किसान मोर्चा ,ओबीसी मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा एवं कनखल मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा निपेंद्र चौधरी और अरविंद कुशवाहा के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। गुरुकुल विद्युत सब स्टेशन के बाहर युवा मोर्चा और गुरुकुल कांगड़ी महाविद्यालय के छात्रों द्वारा जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट और जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में स्वागत किया गया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के गेट के बाहर विक्रम भुल्लर और नकली सिंह सैनी के नेतृत्व में ऋषिकुल तिराहे पर हरिद्वार

विधानसभा के कार्यकर्ताओं के द्वारा राजकुमार अरोड़ा और अनिल पुरी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। शंकराचार्य चौक पर युवा मोर्चा, महिला मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि अमित शाह के देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार आगमन पर कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सहकारिता और गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा धारा 370 को हटाकर एक भारत और श्रेष्ठ भारत बनाने का काम किया गया है, उनके नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद से देश को मुक्त किया जा रहा है।

एक नजर

बसंत पंचमी स्नान पर्व पर यातायात व्यवस्था को लेकर हरिद्वार में विशेष ट्रैफिक प्लान लागू

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बसंत पंचमी स्नान पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए हरिद्वार पुलिस एवं प्रशासन द्वारा शहर में यातायात दबाव कम करने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया जाएगा। यह योजना 22 जनवरी 2026 की रात्रि 12 बजे से स्नान पर्व की समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। यातायात का दबाव बढ़ने की स्थिति में सभी भारी वाहनों को बॉर्डर पर ही रोक दिया जाएगा तथा हरिद्वार शहर क्षेत्र में उनका प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। चीला मार्ग को ऋषिकेश से केवल एक्जिट के रूप में प्रयोग किया जाएगा। चंडी चौक पर दबाव बढ़ने पर 4.2 डायवर्जन से वन-वे व्यवस्था लागू की जाएगी। गुरुकुल कांगड़ी सर्विस लेन से सिंहद्वार होते हुए शंकराचार्य चौक की ओर सामान्य यातायात को भेजा जाएगा, जिससे शहर में वाहनों की गति नियंत्रित रहे। टोल प्लाजा पर एक्जिट का दबाव बढ़ने पर नहर पटरी का प्रयोग किया जाएगा। देहरादून एवं ऋषिकेश की ओर जाने वाली प्राइवेट बसों को मोहंड मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, पंजाब एवं हरियाणा से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग रूट एवं पार्किंग स्थलों का निर्धारण किया गया है, जिनमें पंतद्वीप, दीनदयाल, अलकनंदा, चमकादड़ टापू एवं बैरागी कैंप प्रमुख हैं।

ऑटो एवं विक्रम वाहनों के लिए भी विशेष डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी। अत्यधिक दबाव की स्थिति में इन्हें निर्धारित मोड़ों तक ही अनुमति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त ललतारा पुल से शिवमूर्ति तक सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने आमजन एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित रूट एवं पार्किंग का ही प्रयोग कर यातायात व्यवस्था में सहयोग करें।

तीर्थ नगरी हरिद्वार में बिना रूके, बिना थके चल रहा स्वच्छता अभियान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाए जाने के लिए पिछले 65 दिनों से स्वच्छता अभियान निरंतर चल रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान का जिलाधिकारी मयूर दीक्षित स्वयं निगरानी कर रहे हैं। यह सफाई अभियान शहर से लेकर गांव कस्बों तक चलाया जा रहा है, जिसका असर अब धरातल पर दिखने लगा है। जनपद को साफ स्वच्छ बनाने की दिशा में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित निरंतर प्रयासरत है, सफाई अभियान में ओर तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों का विभागवार रोस्टर तैयार करते हुए 31 जनवरी तक जनपद में महा स्वच्छता अभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है कि स्वच्छता अभियान में जो जिम्मेदारी एवं दायित्व जिस अधिकारी को सौंपी गई है वह अपने दायित्वों का निर्वहन संवेदनशीलता के साथ करेंगे,जिससे कि तीर्थनगरी को साफ स्वच्छ,सुंदर जनपद बनाया जा सके। गुरूवार को बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया है कि बीएचईएल टाउनशिप एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा सेक्टर 3, स्वर्ण जयंती पार्क के समीप से शॉपिंग सेंटर, सेक्टर 3 तक जाने वाली सड़क एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया। श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम मिशन सुनहरा कल के परियोजना प्रबंधन डॉक्टर पंत द्वारा अवगत कराया गया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय रावली में महदूद द्वितीय में वृहद् सुधारीकरण कार्य किया गया तथा विद्यालय के बाहर मार्ग पर नालियों की समुचित सफाई कराई गई। प्रबंधन भारत स्काउट गाइड मनोज सिरोही ने अवगत कराया है कि भारत स्काउट गाइड द्वारा हरकी पौड़ी क्षेत्रांतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया। खण्ड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया कि खानपुर क्षेत्रांतर्गत प्रहलादपुर, गोरधनपुर में साफ सफाई कार्य कराया गया। खण्ड विकास अधिकारी रूड़की ने अवगत कराया कि आज ग्राम पंचायत नन्हेडा अनंतपुर क्षेत्रांतर्गत साफ़ सफाई का कार्य किया गया।

यूसीसी पंजीकरण कराने के लिए सीडीओ ने दिये व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सीडीओ डॉ ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में गुरूवार को विकास भवन सभागार में नागरिक संहिता दिवस को भव्य रूप आयोजित किए जाने को लेकर बैठक की गई।

बैठक में सीडीओ डॉ ललित नारायण मिश्र ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि 27 जनवरी को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार कराकर अधिक से अधिक लोगों को आमंत्रित करें। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्यक्रम ऋषिकुल महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा सभी विकास खंडों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सीडीओ ने कहा कि यूसीसी पोर्टल पर 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा जिनका विवाह हो चुका है उन सभी का यूसीसी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराया जाए। इसके लिए उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों, आशा एएनएम के द्वारा व्यापक रूप से व्यापक प्रचार

प्रसार कराने के लिए कहा। सभी ग्राम पंचायतों में पोस्टर चस्पा करने के निर्देश दिए जिससे कि अधिक से अधिक लोग अपना यूसीसी पंजीकरण करा सके। मुख्य शिक्षा अधिकारी को यूसीसी के संबंध में सभी स्कूलों एवं कॉलेजों में निबन्ध एवं बाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित कराने के लिए कहा। प्रत्येक विकास खंड से तीन तीन छात्र छात्राओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय के लिए चयन किया जाए। जिनकी प्रतियोगिता जिला स्तर पर आयोजित की जाएगी। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरुस्कृत किया जाएगा। बैठक के दौरान मुख्य नगर आयुक्त रुड़की राकेश चंद्र तिवारी, उप जिलाधिकारी अनिल शुक्ला, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, सहायक परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक कुमार तोमर, उप मुख्य नगर अधिकारी रिषभ उनियाल, सभी खंड विकास अधिकारी, ईओ नगर पालिका नगर पंचायत सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय छात्रों को डीजी लॉकर पर उपलब्ध कराएं प्रमाण पत्र : डॉ. धन सिंह रावत

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों को छात्र-छात्राओं का शत-प्रतिशत शैक्षणिक डाटा डिजिटल प्लेटफॉर्म डीजी लॉकर पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को अपने अंक प्रमाण पत्र एवं उपाधियां ऑनलाइन माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। यह निर्देश उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए।

डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक सभी विश्वविद्यालय अपने वर्तमान एवं पूर्व शैक्षणिक सत्रों का समस्त डाटा डीजी लॉकर पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। इसके लिए समर्थ पोर्टल की सहायता से लैगेसी डाटा भी डिजिटल किया जाएगा। उन्होंने इसकी साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट शासन एवं मंत्रालय को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

बैठक में मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने राजकीय विश्वविद्यालयों में लंबे समय से रिक्त शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर पदों पर हो रही देरी पर नाराजगी जताई और सभी रिक्त पदों के सापेक्ष 10 फरवरी 2026 तक भर्ती विज्ञापन जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही

एनईपी के अनुरूप प्रत्येक सेमेस्टर में न्यूनतम 90 दिन कक्षाओं के संचालन तथा समयबद्ध परीक्षा आयोजन कर परिणाम घोषित करने के लिए कार्ययोजना सुनिश्चित करने को कहा।

डॉ. रावत ने विश्वविद्यालयों को उद्योगों के साथ एमओयू कर छात्रों को अनिवार्य औद्योगिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन तथा शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में अंतरविश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय को सौंपी गई। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे

बैठक में सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत सिन्हा, निदेशक उच्च शिक्षा वी.एन. खाली, संयुक्त निदेशक डॉ. ए.एस. उनियाल, उप सचिव उच्च शिक्षा अजीत सिंह, हरीश सागर, राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिव खेमराज भट्ट, दिनेश चन्द्रा, डॉ. जे.एस. बिष्ट, दुर्गेश डिमरी, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

हरिद्वार-ऋषिकेश रोपवे होगा अत्याधुनिक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूरदर्शी विजन अब धरातल पर आकार लेने लगे है। उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रस्तावित रोपवे परियोजनाएं केवल आवागमन का साधन नहीं होंगी, बल्कि यह आस्था, पर्यटन और आधुनिक तकनीक का एक सशक्त संगम होंगी। हरिद्वार, ऋषिकेश और पर्वतीय क्षेत्रों को जोड़ने वाला यह रोपवे नेटवर्क विश्वस्तरीय तकनीक पर आधारित, पूरी तरह सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल होगा, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सहज, तेज और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा।

प्रस्तावित रोपवे प्रणाली आधुनिक एरियल केबल कार टेक्नोलॉजी पर आधारित होगी, जिसे विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले धार्मिक और पर्यटन स्थलों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें हाई-टेंशन स्टील केबल पर चलने वाले स्वचालित केबिन लगाए जाएंगे, जो निर्धारित स्टेशनों के बीच लगातार आवाजाही करेंगे। यह प्रणाली सड़क यातायात से पूरी तरह अलग होगी, जिससे जाम, प्रदूषण और दुर्घटनाओं की आशंका न्यूनतम रहेगी।

रोपवे के केबिन पूर्णतः मजबूत और आरामदायक होंगे। प्रत्येक केबिन में बैठने और खड़े होकर यात्रा करने की सुविधा होगी, ताकि पीक सीजन में अधिक श्रद्धालुओं को आसानी से ले जाया जा सके। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केबिनों में आसान प्रवेश-निकास व्यवस्था, ग्रैब हैंडल और सुरक्षा सेंसर लगाए जाएंगे। आपात स्थिति के लिए ऑटोमैटिक ब्रेकिंग सिस्टम, बैकअप पावर सप्लाई और 24म7 मॉनिटरिंग की व्यवस्था रहेगी।

हरिद्वार के हरकी पौड़ी और ऋषिकेश-नीलकंठ जैसे क्षेत्रों में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड रोपवे को मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इसका अर्थ यह होगा कि रोपवे स्टेशन बस टर्मिनल, पार्किंग स्थल और पैदल मार्गों से सीधे जुड़े होंगे, जिससे श्रद्धालुओं को बार-बार वाहन बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और श्रद्धालु सीधे अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए रोपवे परियोजना में न्यूनतम भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। पहाड़ों की कटाई और जंगलों पर प्रभाव को कम से कम रखते हुए टावरों की स्थापना की जाएगी। इलेक्ट्रिक सिस्टम होने के कारण यह परियोजना कार्बन उत्सर्जन रहित होगी, जिससे गंगा घाटी और हिमालयी पारिस्थितिकी को संरक्षण मिलेगा।

सरकार का मानना है कि यह रोपवे नेटवर्क भविष्य में हरिद्वार-ऋषिकेश क्षेत्र को एक सुव्यवस्थित, स्मार्ट और तीर्थ-पर्यटन हब के रूप में विकसित करेगा। आस्था की राह को सुगम बनाते हुए यह रोपवे परियोजना उत्तराखंड के आधुनिक बुनियादी ढांचे की एक नई पहचान होगी।

एक महानायक की कहानी : नेताजी सुभाष चंद्र बोस और पराक्रम दिवस

सुनील कुमार महला

23 जनवरी को, वर्ष 2021 से भारत में पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वास्तव में, यह दिवस भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उनके अदम्य साहस, उनकी वीरता और राष्ट्रप्रेम को समर्पित है। पाठकों को बताता चलूं कि नेताजी का जन्म 23 जनवरी 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हुआ था तथा इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में हम उनकी 129वीं जयंती मनाने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पहला पराक्रम दिवस कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में आयोजित किया गया था, जबकि वर्ष 2022 में नई दिल्ली के इंडिया गेट पर नेताजी की भव्य होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया गया।नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माता का नाम प्रभावती दत्त बोस था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा रेवेनशॉ कॉलेजिएट स्कूल में हुई और आगे चलकर उन्होंने कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में अध्ययन किया। यहीं से उनके भीतर ब्रिटिश शासन के प्रति विरोध की भावना और अधिक प्रबल हुई। जानकारी मिलती है कि प्रेसीडेंसी कॉलेज में पढ़ाई के दौरान एक अंग्रेज प्रोफेसर ओटीन द्वारा भारतीयों के प्रति की गई नस्लीय टिप्पणी का उन्होंने खुलकर विरोध किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें कॉलेज से निष्कासित कर दिया गया था।वर्ष 1919 में सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय सिविल सेवा (आइसीएस) की परीक्षा उत्तीर्ण की और चौथा स्थान प्राप्त किया, जो उस समय किसी भी भारतीय के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि थी। किंतु देशसेवा को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने इस प्रतिष्ठित पद से इस्तीफा दे दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उनके क्रांतिकारी विचारों और गतिविधियों के कारण उन्हें 1921 से 1941 के बीच 11 बार जेल जाना पड़ा। यह एक रोचक तथ्य है कि 1930 में जेल में रहते हुए ही वे कलकत्ता के मेयर भी चुने गए। नेताजी स्वामी विवेकानंद से अत्यधिक प्रभावित थे और उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे। उनके राजनीतिक गुरु देशबंधु चित्तरंजन दास थे तथा वे रामकृष्ण परमहंस, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के आनंद मठ तथा भारतीय दर्शन से भी प्रेरित थे। उन्होंने पश्चिमी और भारतीय विचारों का अद्भुत समन्वय किया। वर्ष 1921 में उन्होंने चित्तरंजन दास की स्वराज पार्टी द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र 'फॉरवर्ड' के संपादन का कार्य भी संभाला। पाठकों को बताता चलूं कि नेताजी पूर्ण स्वराज के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट का विरोध किया, जिसमें भारत को डोमिनियन स्टेटस देने की बात कही गई थी। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देता चलूं कि डोमिनियन स्टेटस ब्रिटिश साम्राज्य की वह राजनीतिक व्यवस्था थी, जिसके अंतर्गत किसी उपनिवेश को आंतरिक स्वशासन प्रदान किया जाता था, लेकिन वह देश ब्रिटिश क्राउन (राजा/रानी) के अधीन ही रहता था। ऐसे देशों को अपने घरेलू मामलों में स्वतंत्रता होती थी, पर विदेश नीति, रक्षा और संवैधानिक सर्वोच्चता में ब्रिटेन का प्रभाव बना रहता था। भारत के संदर्भ में डोमिनियन स्टेटस का अर्थ था कि भारत एक स्वशासित राष्ट्र बन जाए, किंतु पूर्ण स्वतंत्र गणराज्य न होकर ब्रिटिश सम्राट को अपना संवैधानिक प्रमुख माने। इसी कारण महात्मा गांधी और कांग्रेस के कई नेताओं ने प्रारंभ में डोमिनियन स्टेटस को अपूर्ण स्वतंत्रता मानते हुए अस्वीकार किया और बाद में पूर्ण स्वराज की माँग को लक्ष्य बनाया।संक्षेप में कहें तो, डोमिनियन स्टेटस स्वतंत्रता की दिशा में एक अंतरिम और सीमित व्यवस्था थी, न कि संपूर्ण स्वतंत्रता। वे 1930 के नमक सत्याग्रह में सक्रिय रहे और गांधी-इरविन समझौते तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन के स्थगन का विरोध किया। दूसरे शब्दों में कहें तो सुभाष चन्द्र बोस नमक सत्याग्रह के वैचारिक, संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर सक्रिय सहभागी थे, भले ही वे दांडी मार्च के प्रत्यक्ष सत्याग्रही न रहे हों। यद्यपि महात्मा गांधी से उनके वैचारिक मतभेद थे, फिर भी 'राष्ट्रपिता' कहकर गांधी जी को संबोधित करने वाले वे पहले नेता थे। यहां यह भी गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नेताजी ने जर्मनी से 'आज़ाद हिंद रेडियो' की शुरुआत की, जिसके माध्यम से उन्होंने भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जागरूक किया। उनका प्रसिद्ध नारा तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा भारत में नहीं, बल्कि बर्मा (म्यांमार) में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए दिया गया था। 'दिल्ली चलो' का नारा भी उन्हीं की देन है। यह भी कम लोग जानते हैं कि रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन गण मन' को राष्ट्रगान के रूप में सबसे पहले आज़ाद हिंद फौज ने अपनाया। इतना ही नहीं, नेताजी ने जापान की सहायता से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को अंग्रेजों से मुक्त कराया और वहाँ पहली बार स्वतंत्र भारत का झंडा फहराया तथा उनके नेतृत्व में गठित आज़ाद हिंद सरकार को जापान, जर्मनी, इटली सहित लगभग 9 देशों ने मान्यता दी थी। आजाद हिंद फौज का गठन 1942 में हुआ था। मान्यता देने वालों में क्रोएशिया, बर्मा, थाईलैंड, फिलीपींस, मंचूरिया और चीन गणराज्य (वांग जिंगवेई के अधीन) भी शामिल थे। उन्होंने 'रानी लक्ष्मीबाई रेजिमेंट' (आइएनए महिला रेजीमेंट) का गठन किया, जो एशिया की पहली पूर्णतः महिला सैन्य टुकड़ी थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय सेना (आइएनए,जिसे आजाद हिंद फौज भी कहा जाता है) का गठन प्रारंभ में कैप्टन मोहन सिंह और जापानी मेजर इविची फुजिवारा के नेतृत्व में हुआ। इसमें ब्रिटिश-भारतीय सेना के युद्धबंदी, सिंगापुर की जेलों में बंद भारतीय तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के भारतीय नागरिक शामिल थे। बाद में इसकी संख्या बढ़कर लगभग 50,000 हो गई। वर्ष 1944 में आइएनए ने इम्फाल और बर्मा में मित्र देशों की सेनाओं से मुकाबला किया। नवंबर 1945 में जब अंग्रेजों ने आइएनए के सैनिकों पर मुकदमे चलाए, तो पूरे भारत में व्यापक जन-आंदोलन हुआ। नेताजी केवल क्रांतिकारी नेता ही नहीं थे, बल्कि वे उपनिषद, गीता, वेदांत और योग दर्शन के गंभीर अध्येता भी थे।

वे मानते थे कि भारत की स्वतंत्रता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। 'जय हिंद' का नारा उन्होंने स्वयं नहीं गढ़ा, लेकिन इसे आज़ाद हिंद फौज का आधिकारिक अभिवादन बनाकर जन-जन तक पहुँचाया। आज यह भारत का राष्ट्रीय अभिवादन है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने के बाद 16 अगस्त 1945 को जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद नेताजी जापानी विमान से दक्षिण-पूर्व एशिया छोड़कर चीन की ओर रवाना हुए। कहा जाता है कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और वे गंभीर रूप से घायल हो गए, किंतु उनकी मृत्यु को लेकर आज भी अनेक रहस्य बने हुए हैं।इस प्रकार, सुभाष चंद्र बोस केवल एक क्रांतिकारी नेता ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी विचारक, अनुशासित सेनानी और आध्यात्मिक राष्ट्रभक्त थे। उनका सपना केवल भारत को आज़ाद कराना नहीं था, बल्कि उसे सशक्त, आत्मनिर्भर, समानतामूलक और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाना था। नेताजी का जीवन आज भी प्रत्येक भारतीय को त्याग, साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में हाहाकार

रुपया-शेयर बाज़ार वेंटिलेटर पर

सनत जैन

पिछले कुछ दिनों से भारतीय अर्थ व्यवस्था के संकेत एक गहरी चिंता की ओर इशारा कर रहे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये में निरंतर गिरावट, पिछले एक सप्ताह में शेयर बाज़ार से विदेशी निवेशकों द्वारा पैसा निकालना एवं भारतीय निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में पैसा डालने के बाद भी शेयर बाजार में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर बाजार के असामान्य उतार-चढ़ाव ने न केवल देशी निवेशकों की नींद उड़ा दी है, बल्कि सरकार और आर्थिक नीति-निर्माताओं के लिए भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालात ऐसे बन गए हैं, रुपये को संभालने के लिए रिज़र्व बैंक को बार-बार बाज़ार में डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। इसके बाद भी रुपए की गिरावट थमने का नाम नहीं ले रही। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 91. 73 पर आ गया। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। आयात ज्यादा हो रहा है, उसके मुकाबले में निर्यात बहुत कम है। जिसके कारण विदेशी मुद्रा का संकट लगातार बढ़ रहा है।

शेयर बाज़ार का सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को दिन भर सैकड़ों अंकों की गिरावट के साथ झूलता रहा। संस्थागत वित्तीय निवेशकों ने भारी निवेश करके निफ्टी को 25157 तथा बीएसई के सेंसेक्स को 270.64 अंकों की गिरावट के साथ 81124 पर रोकने में सफल हुए। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार शेयर बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं। जिससे शेयर बाज़ार पर दबाव और बढ़ गया है। रुपये की कमजोरी को कभी निर्यात के लिए फायदेमंद बताया जाता था। ज़मीनी हकीकत इसके विपरीत है। भारत का निर्यात उस अनुपात में नहीं बढ़ा, जिस मात्रा में आयात बढा है। जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपए का तेजी के साथ अवमूल्यन हो रहा है। इसका मतलब साफ है। कमज़ोर रुपया अपने आप में समाधान नहीं, बल्कि निर्यात को और विदेश में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सबसे बड़ा आर्थिक संकट है। वहीं विदेशी सामान भारत में ज्यादा मात्रा में आयात हो रहा है उसके कारण भारत में कीमतें बढ़ रही हैं। आर्थिक मोर्चे पर सरकारी खजाने की स्थिति भी दबाव में दिख रही है। जीएसटी, आयकर और कॉर्पोरेट टैक्स का संग्रह लक्ष्य से कम है। उपभोक्ता मांग कमजोर पड़ने से खरीददारी घट रही है। इसका सीधा असर टैक्स कलेक्शन पर पड़ रहा है। सरकार को बैंकों और आरबीआई के डिविडेंड पर निर्भर होना पड़ रहा है। सरकारी खजाने की हालत को सुधारने के लिए पेट्रोल-डीज़ल पर करों की संभावित बढ़ोतरी और कस्टम ड्यूटी जैसे निर्णय सरकारी खजाने को राहत तो दे सकते हैं, लेकिन यह दीर्घकालिक समाधान नहीं होगा। सोना, चांदी और डॉलर की कीमतों की तेजी ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। निवेशकों और आम जनता का झुकाव सुरक्षित निवेश की ओर होना यह बताता है, कि शेयर बाज़ार और बैंकों के भविष्य को लेकर निवेशकों को अब भरोसा नहीं रहा। बैंकिंग सेक्टर पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। बैंकों में गिरते डिपॉजिट और बढ़ता कर्ज बैंकों की अर्थव्यवस्था की अनिश्चिता को बढ़ा रहे हैं। भारतीय अर्थ व्यवस्था धीरे-धीरे 'वेंटिलेटर' में जाने की स्थिति में दिख रही है।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार के नीति-निर्माताओं को ज़मीनी सच्चाइयों को स्वीकार करना होगा। ऊँची जीडीपी ग्रोथ या भविष्य के बड़े काल्पनिक लक्ष्यों की बातें करके अर्थव्यवस्था को सुधारा नहीं जा सकता है। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक को आर्थिक नीतियों में सुधार, भरोसेमंद राजकोषीय नीति, शेयर बाजार और वित्तीय संस्थानों पर देसी एवं विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ाना होगा। आम जनता की क्रय-शक्ति को बढ़ाने के लिए नीतियां बनानी होंगी। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और संकट से निकालने के लिए गंभीरता के साथ काम करना होगा। सरकार को वास्तविकता को स्वीकार करना होगा। स्नो-पाउडर लगाकर मेकअप के पीछे वास्तविक कमज़ोरियों को छुपाने से स्थिति और भी खराब होगी। 1 फरवरी को सरकार जो बजट पेश करने जा रही है, उस बजट को वास्तविकता के धरातल पर तैयार किया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो बजट के बाद सरकार, रिजर्व बैंक, बैंकिंग सेक्टर और नीति आयोग के लिए स्थितियों को संभालना आसान नहीं होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा में कला साधना एवं देवीय शक्ति का महापर्व बसंतोत्सव

डॉ. दीपक वर्मा

बसंत पंचमी भारतीय संस्कृति का वह पावन पर्व है, जब प्रकृति, कला और ज्ञान साधना का अलौकिक संगम होता है। शीत ऋतु की विदाई और बसंत के आगमन के साथ यह दिन कला साधकों और विद्वानों द्वारा माँ शारदा की देवीय शक्तियों को नमन करने का अवसर बनता है। पीले पुष्प, कोमल हवाएँ और उल्लास से भरा वातावरण जीवन में सृजन, साधना और ज्ञान जीवन की निरंतर धारा का प्रवाहित करता है। भारतीय ज्ञान परंपरा में कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि साधना का मार्ग रही है। संगीतकार, नर्तक, चित्रकार, शिल्पकार और साहित्यकार वर्षों की तपस्या, अनुशासन और एकाग्रता से अपनी कला को निखारते हैं। बसंत पंचमी का दिन उनकी उसी मौन साधना का सार्वजनिक उत्सव है, जहाँ कला को ईश्वर के समकक्ष मानकर पूजा की जाती है। भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत कथक विद्या भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में विशेष स्थान रखती है। इसकी जड़ें सनातन संस?कृति और कथावाचन की परंपरा से जुड़ी हैं। घुंघरुओं की लय, पैरों की थाप और भावों की अभिव्यक्ति यह सब कला साधना की ही देन हैं। बसंत पंचमी पर अनेक गुरु-शिष्य परंपराओं में कथक की प्रस्तुतियाँ होती हैं, जो यह दर्शाती हैं कि कला अनुशासन और भक्ति से ही पूर्ण होती है। माँ शारदे की देवीय शक्ति व साधना और नटराज रूप में शिव का तांडव नृत्य सृष्टि के संतुलन का प्रतीक हैं। तांडव नृत्य केवल गति नहीं, बल्कि जीवन चक्र के सृजन, संरक्षण और संहार का दर्शन कराता है। कला साधकों के लिए नटराज प्रेरणा हैं तो माँ शारदा शक्ति और साधना का आशीर्वाद देने वाली हैं। बसंत पंचमी पर मॉ शारदा और नटराज की आराधना कर कलाकार अपनी साधना को नई दिशा देते हैं। बसंत पंचमी को माँ शारदा (सरस्वती) की पूजा का विशेष महत्व है। वे ज्ञान, वाणी, संगीत और कला की अधिष्ठात्री देवी हैं। विद्वान, विद्यार्थी और कलाकार इस दिन पुस्तकों, वाद्य यंत्रों और कलाकृतियों की पूजा करते हैं। हमारी यह परंपरा बताती है कि ज्ञान और कला अहंकार नहीं, विनम्रता और समर्पण से फलती हैं। बसंत पंचमी के दिन पीले वस्त्र धारण कर पीले पुष्प और मिष्ठान माँ शारदा के चरणों में अर्पित किए जाते हैं, क्योंकि पीला रंग ऊर्जा, आशा और सृजन का प्रतीक है। कई स्थानों पर बच्चों की शिक्षा का शुभारंभ भी इसी दिन किया जाता है। यह महापर्व संदेश देता है कि जीवन में ज्ञान और कला का प्रवेश शुभ और मंगलकारी है, जिसके बिना जीवन अर्थहीन और नीरस है। भारत की पहचान उसकी विविध कलाओं से है, जिनमें हिंदुस्तानी व कर्नाटक संगीत, नृत्यों में भरतनाट्यम, कथकली, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मणिपुरी, लोकनृत्य, लोकसंगीत और चित्रकला, मूर्तिकला, हस्तशिल्प साहित्य शामिल है। बसंत पंचमी इन सभी कलाओं को एक सूत्र में पिरोती है और कला साधकों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है। संपूर्ण भारत में बसंतोत्वत को एक दृष्टि में देखें तो उत्तर भारत में सरस्वती पूजा और शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रमुख रहती हैं। पश्चिम बंगाल में यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है, जहाँ शिक्षण संस्थानों में विशेष आयोजन होते हैं। बिहार और झारखंड में भी माँ शारदा की भव्य पूजा होती है। पंजाब में इसे पतंगोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जबकि राजस्थान और मध्यप्रदेश में लोकगीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में रेल अवसंरचना को नई गति

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हर्रावाला, रुड़की व कोटद्वार स्टेशनों का कायाकल्प

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में डीआरएम, मुरादाबाद विनीता श्रीवास्तव ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्य में रेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, पूर्ण एवं प्रगतिरत रेल परियोजनाओं तथा भविष्य की आवश्यकताओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

भेंट के दौरान डीआरएम, मुरादाबाद विनीता श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को अवगत कराया कि उत्तराखंड राज्य में कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएँ सफलतापूर्वक पूर्ण की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि रुड़की से देवबंद को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन परियोजना (27.45 किलोमीटर) का कमीशनिंग कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत बनहेड़ा खास एवं झबरेड़ा में नए रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य के प्रमुख रेल मार्गों पर गति वृद्धि से संबंधित कार्य भी पूर्ण किए गए हैं, जिनमें लक्सर-हरिद्वार रेल खंड को 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक उन्नत किया गया है, जबकि सहारनपुर-हरिद्वार खंड को 110 किलोमीटर प्रति घंटा करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 130 किलोमीटर प्रति घंटा गति लक्ष्य हेतु डीपीआर

स्वीकृत की जा चुकी है तथा दीर्घकालिक रूप से 160 किलोमीटर प्रति घंटा गति के लिए मार्गों की पहचान की गई है।

उन्होंने बताया कि उत्तराखंड खंड में लक्सर, लंढौरा-धनौरा, रुड़की, चोड़ीआला एवं ऐथल सहित कई स्थानों पर आरओबी, आरयूबी एवं एलएचएस से संबंधित कार्य पूर्ण किए गए हैं, जिससे रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और व्यस्त स्थानों पर यातायात जाम की समस्या में कमी आई है।

डीआरएम विनीता श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि राज्य में कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएँ वर्तमान में प्रगति पर हैं। उन्होंने अवगत कराया कि हर्रावाला, रुड़की एवं कोटद्वार रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है, जिसमें नए स्टेशन भवनों का निर्माण, एसी प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट, दिव्यांगजन एवं पैदल यात्रियों के अनुकूल डिज़ाइन, प्लेटफार्म ऊंचाई का मानकीकरण, प्लेटफार्म शेड, नए एवं चौड़े फुट ओवर ब्रिज (स्नहक्क) तथा आधुनिक सर्कुलेटिंग एवं पार्किंग क्षेत्र का विकास शामिल है।

उन्होंने बताया कि हरिद्वार एवं देहरादून रेलवे स्टेशनों के लिए क्षमता वृद्धि के साथ व्यापक पुनर्विकास प्रस्तावित है, जिसमें विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएँ, आइकॉनिक टर्मिनल डिज़ाइन, आगमन एवं प्रस्थान का पृथक्करण तथा बेहतर बाह्य यातायात व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके साथ ही योग नगरी ऋषिकेश से कर्णप्रयाग को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन परियोजना निर्माणाधीन है, जिसकी कुल लंबाई 125.20 किलोमीटर है। इस परियोजना में मार्ग में 12 स्टेशन, 35 पुल एवं 17 सुरंगें शामिल हैं तथा प्रमुख सुरंगों का कार्य लगभग 94 प्रतिशत तक पूर्ण किया जा चुका है। डीआरएम ने बताया कि राज्य में नए माल टर्मिनलों के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिसमें पत्री (पीआरआई) में एकीकृत माल टर्मिनल सुविधा का विकास तथा पत्री एवं ज्वालापुर स्टेशनों को एलएमवी लोडिंग हेतु उन्नत किया जा रहा है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इकबालपुर आरओबी, जिसमें पीडब्ल्यूडी के पास अप्रोच भूमि लंबित है, धनौरा आरओबी, जिसमें रक्षा भूमि से संबंधित प्रकरण लंबित है, तथा लक्सर एलएचएस, जिसे उच्च जलस्तर के कारण संशोधित किया गया है और जहाँ दोपहिया वाहनों के अनुकूल एफओबी प्रस्तावित है, जैसे कार्यों पर राज्य एवं रेलवे के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार-देहरादून रेल खंड की क्षमता वृद्धि योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि हर्रावाला में 24-कोच हैंडलिंग सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, जिसमें लूप लाइन विस्तार एवं गति वृद्धि के लक्ष्य शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस परियोजना के अंतर्गत वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सहयोग से वन्यजीव न्यूनीकरण योजना तैयार की जा रही है।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए कि टनकपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए तथा आगामी अर्द्धकुंभ के दृष्टिगत रेल एवं यात्री सुविधाओं से संबंधित सभी तैयारियाँ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएँ, ताकि श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सके।

एक नजर

टी 20 वर्ल्ड कप का बांग्लादेश ने किया बहिष्कार

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड बोला-भारत के बाहर खेलने को तैयार

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की चेतावनी और अल्टीमेटम के बावजूद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार ने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अपने रुख पर कायम रहने का फैसला किया है। बांग्लादेश ने साफ कर दिया है कि जब तक मैचों का वेन्यू भारत से बदलकर श्रीलंका नहीं किया जाता, तब तक टीम वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगी। खिलाड़ियों के साथ अहम बैठक के बाद बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने आईसीसी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ न्याय नहीं किया है और खिलाड़ियों की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है। आसिफ नजरुल के मुताबिक- सरकार, क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ी तीनों एक मत हैं कि सुरक्षा से किसी भी हालत में समझौता नहीं किया जाएगा। आसिफ नज़रुल ने साफ शब्दों में कहा- हम किसी के दबाव में नहीं झुकेंगे। दुनिया को यह भी समझना चाहिए कि अगर बांग्लादेश वर्ल्ड कप नहीं खेलेगा तो उसके क्या नतीजे होंगे। हम अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं कर सकते। बैठक के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी दोहराया कि उनका फैसला अटल है। बोर्ड का कहना है कि मौजूदा हालात में भारत जाकर खेलना सुरक्षित नहीं है और इसलिए वेन्यू बदलकर श्रीलंका किया जाना चाहिए। हालांकि आईसीसी ने पहले ही साफ कर दिया है कि टूर्नामेंट के मैच भारत से बाहर नहीं ले जाए जाएंगे। आईसीसी की इस सख्त चेतावनी के बाद भी बांग्लादेश ने अपने फैसले से पीछे हटने से इनकार कर दिया है।

बजट सत्र से लोकसभा में सांसदों की अटेंडेंस का सालों पुराना नियम बदलेगा

सांसद देरी से पहुंचे तो नहीं लगेगी हाजिरी, सैलरी भी कटेगी

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत के साथ ही संसद में सांसदों के लिए सख्ती बढ़ने जा रही है। अब अगर कोई सांसद देरी से लोकसभा पहुंचेगा, तो उसकी अटेंडेंस नहीं लगेगी। सिर्फ सदन में आना काफी नहीं होगा। तय समय पर पहुंचकर अपनी सीट से इलेक्ट्रॉनिक हाजिरी दर्ज करना अनिवार्य होगा। नए नियम के तहत लेट लतीफी पर सीधा असर जेब पर पड़ेगा, क्योंकि अटेंडेंस न होने पर दैनिक भत्ता और सैलरी कटना तय है। यह बदलाव संसद की कार्यसंस्कृति को अनुशासित और जिम्मेदार बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अब तक सांसद लॉबी में रखे रजिस्टर पर साइन करके अटेंडेंस दर्ज करा लेते थे, चाहे वे सदन की कार्यवाही में शामिल हों या नहीं। लेकिन नए साल से यह सुविधा खत्म होने जा रही है। बजट सत्र से लागू होने वाले नियम के मुताबिक सांसदों को अपनी तय सीट पर बैठकर ही हाजिरी लगानी होगी। सदन स्थगित होने के बाद अटेंडेंस का कोई मौका नहीं मिलेगा। इससे साफ संदेश है कि संसद में समय की पाबंदी और सक्रिय भागीदारी अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुताबिक बजट सत्र से सांसद केवल अपनी निर्धारित सीट से ही इलेक्ट्रॉनिक रूप से अटेंडेंस दर्ज कर सकेंगे। लॉबी में रखे रजिस्टर में साइन करने की व्यवस्था खत्म की जा रही है। हर सीट पर पहले से लगे इलेक्ट्रॉनिक कंसोल में अटेंडेंस मार्क करने की सुविधा मौजूद है, जिसे अब अनिवार्य किया जा रहा है। सदन स्थगित होने के बाद अटेंडेंस दर्ज करने की अनुमति भी नहीं मिलेगी। इससे 'फॉर्मल मौजूदगी' का खेल खत्म होगा।

जरूरी था बदलाव: संसद में अटेंडेंस और व्यवधान लंबे समय से बड़ा मुद्दा रहे हैं। पुराने सिस्टम में सांसद बिना सदन में बैठे भी भत्ता पाने के हकदार हो जाते थे। इससे जनता के बीच यह संदेश जाता था कि संसद में जिम्मेदारी की कमी है। नया सिस्टम यह सुनिश्चित करेगा कि जो सांसद अटेंडेंस दर्ज कर रहा है, वह वास्तव में सदन की कार्यवाही का हिस्सा भी है। इससे सांसदों की जवाबदेही बढ़ेगी और जनता का भरोसा मजबूत होगा। हर सांसद को सत्र में मौजूद रहने पर दैनिक भत्ता मिलता है, लेकिन शर्त यह है कि अटेंडेंस दर्ज हो। पुराने सिस्टम में इस पर सवाल उठते रहे हैं।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ की विभागीय समीक्षा

पथ प्रवाह, देहरादून

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास पर कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में बारिश न होने से फसलों को हो रहे नुकसान की समीक्षा की।

विभागीय मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में बारिश न होने से फसलों को हो रहे नुकसान के सही आंकड़े न देने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए सख्त निर्देश दिए कि जिलेवार सर्वे कर बारिश न होने से हुए नुकसान का आंकलन कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसानों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि सर्वेक्षण व

रिपोर्टिंग में कोताही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, निदेशक कृषि दिनेश कुमार, संयुक्त निदेशक रतन कुमार, औद्यानिकी परिषद सीईओ नरेंद्र यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीएम पुष्कर धामी का आधुनिक ट्रांसपोर्ट विज़न, शहरों में ई-बीआरटी व रोपवे नेटवर्क को गति

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार राज्य में आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल शहरी परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में देहरादून सहित राज्य के प्रमुख शहरों में ई-बीआरटी, मेट्रो रेल और रोपवे जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सचिवालय में आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूकेएमआरसी) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहरी परिवहन से जुड़ी संचालित एवं प्रस्तावित परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में यूकेएमआरसी प्रबंधन द्वारा राज्य में शहरी परिवहन ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तैयार योजनाओं की प्रस्तुति दी गई। देहरादून शहर में बढ़ते यातायात दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए ई-बीआरटी परियोजना को एक प्रभावी समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गया। यूकेएमआरसी बोर्ड द्वारा देहरादून में दो प्रमुख कॉरिडोरों पर ई-बीआरटी परियोजना को सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी गई है। इसके लिए आवश्यक तकनीकी और व्यवहार्यता अध्ययन कराने के निर्देश दिए गए हैं। अध्ययन पूर्ण होने के

बाद परियोजना प्रस्ताव को कैबिनेट के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। आवास सचिव ने कहा कि यह परियोजना प्रदूषण में कमी लाने के साथ ही नागरिकों को तेज, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराएगी।

बैठक में हरिद्वार स्थित हरकी पौड़ी के लिए प्रस्तावित इंटीग्रेटेड रोपवे परियोजना पर भी मंथन किया गया। इस परियोजना को यूकेएमआरसी बोर्ड की स्वीकृति मिल चुकी है और प्रस्ताव को शीघ्र सक्षम प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। त्रिवेणी घाट से नीलकंठ महादेव मंदिर तक प्रस्तावित रोपवे परियोजना में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस परियोजना को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। फॉरेस्ट क्लियरेंस स्टेज-1 की प्रक्रिया पूर्ण होते ही टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। सचिव ने सभी अनुमोदनों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा नैनीताल, कांची धाम और मसूरी में प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं के संभाव्यता अध्ययन पर भी चर्चा हुई। इन पर्यटन स्थलों पर रोपवे परियोजनाएं यातायात जाम कम करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी उपयोगी सिद्ध होंगी। बैठक में देहरादून में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सेकंड ऑर्डर मास ट्रांजिट सिस्टम की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। बैठक में ब्रजेश कुमार मिश्रा (प्रबंध निदेशक, यूकेएमआरसी), संजीव मेहता (निदेशक वित्त), धीरेन्द्र कुमार सिंह (संयुक्त सचिव, आवास विभाग), कृष्णानन्द शर्मा (कंपनी सचिव), अजय बाबू (संयुक्त महाप्रबंधक, संकेतन एवं दूरसंचार), सौरभ शेखर (संयुक्त महाप्रबंधक, विद्युत), सर्वेश कुमार (खंड अभियंता) और अशोक डोभाल (सहायक खंड अभियंता) उपस्थित रहे।

भारत पर्व पर प्रदर्शित होगी 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड' की झांकी

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान विभिन्न प्रदेशों एवं मंत्रालयों की झांकियों का प्रेस के समक्ष अपने-अपने राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की।

इस अवसर पर जानकारी दी गई कि उत्तराखण्ड राज्य की झांकी इस वर्ष 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड' थीम के अंतर्गत भारत पर्व में प्रदर्शित होगी।

भारत पर्व के आयोजन के दौरान 26 से 31 जनवरी तक दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में उत्तराखण्ड की विकास यात्रा के दर्शन किए जा सकेंगे। इस वर्ष उत्तराखण्ड की झांकी की थीम 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड' रखी गई है, जो आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप राज्य की सांस्कृतिक, आर्थिक एवं पारंपरिक आत्मनिर्भरता को दर्शाती है। सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक एवं झांकी के नोडल अधिकारी के.एस. चौहान ने बताया कि 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड' झांकी के ट्रैक्टर सेक्शन में

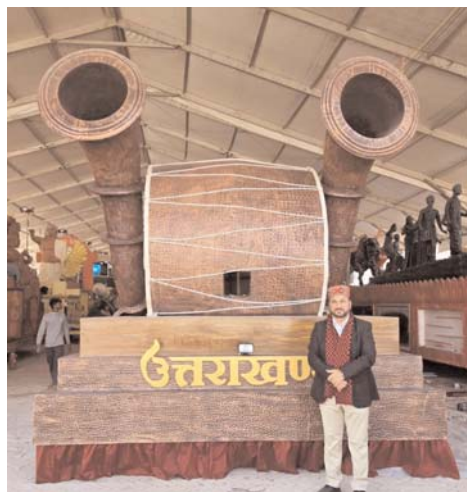

पारंपरिक वाद्ययंत्रों ढोल और रणसिंघा की आकर्षक तांबे की प्रतिकृतियां हैं, जो उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शिल्पी कारीगरों की कलात्मक महारत का प्रतीक हैं। ट्रेलर सेक्शन के पहले भाग में तांबे के मंजीरे की एक बड़ी मूर्ति दिखायी गई है, जो तांबे की कला की बारीकियों को विस्तार से उजागर करती है। बीच का सेक्शन खूबसूरती से बनाए गए तांबे के बर्तन जैसे गागर, सुराही, कुण्डी को दर्शाया गया है, जो उत्तराखण्ड के पारंपरिक घरेलू जीवन के आवश्यक तत्व हैं। इस सेक्शन के नीचे, साइड पैनल पारंपरिक वाद्ययंत्र भोंकोर के प्रमुख चित्रणों से सजाए गए हैं, जो सांस्कृतिक कहानी को और समृद्ध करते हैं।

झांकी के पिछले सेक्शन में तांबे के कारीगर की एक आकर्षक और प्रभावशाली मूर्ति है, जो हाथ से तांबे के बर्तन बनाने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। कारीगर के चारों ओर बारीकी से बनाए गए तांबे के बर्तन हैं, जो पीढ़ियों से मिले ज्ञान, कौशल और श्रम की गरिमा का प्रतीक हैं। उत्तराखण्ड की यह झांकी उत्तराखण्ड के शिल्पी समुदाय की कारीगरी, सांस्कृतिक योगदान, आर्थिक आत्मनिर्भरता, आजीविका, कौशल एवं परम्परा को दर्शाती है। श्री चौहान ने आगे बताया कि उत्तराखण्ड की झांकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उसकी प्राचीन शिल्प कला के माध्यम से प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती है, जो आज भी जीवंत रूप में समाज का हिस्सा बनी हुई है। स्थानीय कारीगरों द्वारा पारंपरिक तकनीकों से निर्मित तांबे के बर्तन एवं उपकरण न केवल उत्कृष्ट शिल्प कौशल का उदाहरण हैं, बल्कि राज्य के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक जीवन में भी इनका विशेष महत्व रहा है। सदियों से ये शिल्प उत्पाद घरेलू उपयोग और पारंपरिक अनुष्ठानों का अभिन्न अंग रहे हैं, जो उत्तराखण्ड की समृद्ध परंपराओं और रचनात्मक विरासत को दर्शाते हैं। उन्होने कहा कि विशेष रूप से शिल्पी समुदाय के अनेक परिवारों के लिए यह प्राचीन शिल्प केवल एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि आजीविका का एक सशक्त माध्यम भी है। पीढ़ियों से चली आ रही उत्कृष्ट तकनीकें प्रत्येक कृति को एक साधारण उपयोगी वस्तु से आगे बढ़ाकर कला के विशिष्ट नमूने में परिवर्तित कर देती हैं, जो शिल्पी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को प्रतिबिंबित करती हैं।

एक नजर

डोडा सड़क हादसे में सेना के 10 जवानों की मौत, उप राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में सेना के एक वाहन के गहरी खाई में गिर जाने से 10 जवानों की मौत हो गयी और 11 अन्य घायल हो गए। यहां अधिकारियों ने बताया कि सेना का कैस्पर वाहन भद्रवाह-चंबा सड़क पर थानाला के ऊपरी इलाके खन्नीटॉप के पास फिसलन भरी सड़क के कारण करीब 300 फीट गहरी खाई में गिर गया। यह टीम एक टीम ऑपरेशन के लिए जा रही थी। यह हादसा इतना भयावह था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और स्थानीय लोगों ने दुर्गम क्षेत्र में कई घंटों तक बचाव अभियान चलाया।

जिला प्रशासन के अनुसार, वाहन में सेना के कुल 21 जवान सवार थे, जिनमें से 10 की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 10 जवानों को उधमपुर के कमांड अस्पताल में तत्काल उपचार के लिए एयरलिफ्ट किया गया है, जबकि मामूली रूप से घायल एक जवान का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और उनके सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेगा। उपराज्यपाल ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश एकजुट होकर उनके साथ खड़ा है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायल जवानों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस हृदय विदारक त्रासदी पर गहरा दुख प्रकट किया है। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने बहादुर सैनिकों के बलिदान पर गर्व है और पूरा देश शहीद सैनिकों के परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने इस घटना को पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए एक बड़ी त्रासदी बताते हुए प्रशासन को घायलों के उपचार में कोई कसर न छोड़ने के निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस दुखद दुर्घटना के बारे में जानकर गहरा सदमा लगा है और उन्होंने डोडा के डीसी हरविंदर सिंह और कमांड हॉस्पिटल के इंचार्ज मेजर जनरल (डॉ.) संजय शर्मा से भी बात की है। उन्होंने लिखा' हमारे बहादुर जवानों के प्रति गहरे सम्मान की भावना को व्यक्त करने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। '

मोदी को पीछे हटने और गरीबों के एकजुट होने का मौका है मनरेगा बचाने की लड़ाई : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को खत्म करने के खिलाफ शुरु हुई लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके मंसूबों में कामयाब नहीं होने देने और मनरेगा की बहाली के लिए सबको एकजुट होना पड़ेगा। गांधी ने रचनात्मक कांग्रेस के प्रमुख संदीप दीक्षित द्वारा 'मनरेगा बचाओ मोर्चा' के कार्यकर्ताओं के गुरुवार को यहां आयोजित राष्ट्रीय संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा चाहती है कि देश में लोकतंत्र, संविधान और 'एक व्यक्ति एक वोट' की अवधारणा खत्म हो और आजादी से पहले वाला हिंदुस्तान फिर से वापस लाया जाय। इसी सोच का परिणाम है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को मनरेगा के तहत मिले अधिकार को खत्म करने का काम किया है।

राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड में उत्तराखंड से पंकज मेसौन बने सदस्य

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड (एनटीडब्ल्यूबी) में नए गैर-सरकारी सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इस क्रम में उत्तराखंड से पंकज मेसौन को राज्य प्रतिनिधि के रूप में बोर्ड का गैर-सरकारी सदस्य नामित किया गया है, जिसे राज्य के व्यापारिक वर्ग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

यह आदेश 21 जनवरी 2026 को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली से जारी किया गया। आदेश के अनुसार, विभाग की 26 जुलाई 2019 एवं 17 दिसंबर 2019 की अधिसूचनाओं के अनुपालन में व्यापार संघों तथा राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों को नामित

किया गया है। सभी गैर-सरकारी सदस्यों का कार्यकाल आदेश की तिथि से दो वर्ष अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, निर्धारित किया गया है। डीपीआईआईटी द्वारा जारी सूची के अनुसार, व्यापार संघ के प्रतिनिधि के रूप में उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित आदर्श मंडी स्थल व्यापारिक एसोसिएशन (आढ़ती संघ) से राजेंद्र प्रसाद गुप्ता को शामिल किया गया है। वहीं राज्य प्रतिनिधियों में केरल से सिराजुद्दीन एलथोडी तथा उत्तराखंड से पंकज मेसौन को नामित किया गया है।

विदित हो कि पंकज मेसौन की नियुक्ति से उत्तराखंड के व्यापारियों, लघु उद्योगों एवं आंतरिक व्यापार से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाने में मजबूती मिलेगी। सरकार का उद्देश्य एनटीडब्ल्यूबी के माध्यम से व्यापारिक समुदाय के कल्याण से जुड़े सुझावों को नीति निर्माण में शामिल करना है।

ट्रम्प और रूट्टे के बीच ग्रीनलैंड पर 'भविष्य के समझौते' की रूपरेखा तैयार, वापस ली टैरिफ की धमकी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो महासचिव मार्क रूट्टे के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद घोषणा करते हुए कहा है कि ग्रीनलैंड को लेकर 'भविष्य के समझौते की रूपरेखा' तैयार कर ली गई है। इस कूटनीतिक प्रगति के बाद श्री ट्रम्प ने यूरोपीय सहयोगियों पर एक फरवरी से लगाए जाने वाले प्रस्तावित आयात शुल्क को वापस लेने का फैसला किया है। स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक के इतर हुई इस वार्ता को श्री ट्रम्प ने 'अत्यंत सकारात्मक' बताया और कहा कि यह समझौता न केवल ग्रीनलैंड, बल्कि पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि यद्यपि समझौते के विस्तृत विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, लेकिन यह रणनीतिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है।

उन्होंने ग्रीनलैंड को उत्तरी अमेरिका का हिस्सा और अमेरिका का क्षेत्र बताते हुए कहा कि यह विशाल द्वीप वर्तमान में असुरक्षित है। श्री ट्रम्प के अनुसार, इस समाधान से अमेरिका और सभी नाटो देशों को लाभ होगा। उन्होंने 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली का जिक्र करते हुए कहा कि ग्रीनलैंड के संदर्भ में इस पर अतिरिक्त चर्चा जारी है। इस पूरी वार्ता की जिम्मेदारी उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को सौंपी है, जो सीधे राष्ट्रपति को रिपोर्ट करेंगे।

दूसरी ओर, नाटो महासचिव मार्क रूट्टे ने इस समझौते के विवरण पर अधिक जानकारी देने से परहेज किया। फॉक्स न्यूज

को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने इस सवाल को टाल दिया कि क्या अमेरिका इस द्वीप का स्वामित्व हासिल कर लेगा। श्री रूट्टे ने केवल इतना कहा कि चर्चा इस बात पर केंद्रित थी कि आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए राष्ट्रपति के दृष्टिकोण को कैसे लागू किया जाए।

नाटो प्रवक्ता एलीसन हार्ट ने स्पष्ट किया कि श्री रूट्टे ने संप्रभुता के साथ किसी भी समझौते का प्रस्ताव नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच आगे की बातचीत का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रूस और चीन कभी भी इस क्षेत्र में आर्थिक या सैन्य रूप से पैर न पसार सकें।

गौरतलब है कि श्री ट्रम्प पिछले कई सप्ताह से डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर नियंत्रण पाने की इच्छा जता रहे थे, जिससे नाटो गठबंधन और अरबों डॉलर के ट्रांस अटलांटिक व्यापार पर संकट मंडराने लगा था।

ट्रम्प ने डेनमार्क सहित आठ यूरोपीय देशों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की धमकी दी थी, जिसे जून तक बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की योजना थी। हालांकि दावोस में अपने संबोधन के दौरान श्री ट्रम्प ने स्पष्ट कर दिया कि वह ग्रीनलैंड के अधिग्रहण के लिए सैन्य बल का प्रयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'लोग सोचते थे कि मैं बल प्रयोग करूंगा, लेकिन मुझे इसकी जरूरत नहीं है। मैं तत्काल बातचीत के जरिए इस रणनीतिक क्षेत्र का स्वामित्व हासिल करना चाहता हूं।' इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव में कमी आई है और वैश्विक बाजारों ने राहत की सांस ली है।

स्वर्गीय प्रताप सिंह नेगी व शहीद विपिन गुसाई फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ, कोटली एफसी ने जीता पहला मैच

पथ प्रवाह, पाबौ।

पाबौ के खेल मैदान में गुरुवार को स्वर्गीय प्रताप सिंह नेगी व शहीद विपिन गुसाईं की स्मृति में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खंड विकास अधिकारी पाबौ हरेंद्र कोहली तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पाबौ चौकी प्रभारी मुकेश गैरोला उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता का शुभारंभ रस्साकशी प्रतियोगिता से किया गया, जिसमें महिला वर्ग की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात अंडर-16 ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता का पहला मुकाबला कोटली एफसी और राई एफसी पौड़ी के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में राई एफसी पौड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोटली एफसी को 3-2से पराजित कर प्रतियोगिता में

विजयी शुरुआत की। राई एफसी की ओर से साहिल ने दो गोल दागे। फुटबॉल आयोजन समिति के अध्यक्ष कर्मवीर भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के अंतर्गत अंडर-16 ग्रामीण फुटबॉल, ओपन वर्ग फुटबॉल एवं महिला वर्ग की रस्साकशी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। ओपन वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में विजेता टीम को ?1,01,000 नकद पुरस्कार व ट्रॉफी, जबकि उपविजेता टीम को ?51,000 नकद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। वहीं अंडर-16 ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता में विजेता टीम को ?11,000 व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को ?5,100 व ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। महिला रस्साकशी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को ?11,000 तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को ?5,100 व ट्रॉफी दी जाएगी।

कर्मवीर भंडारी ने बताया कि यह प्रतियोगिता पिछले कई वर्षों से निरंतर आयोजित की जा रही है, जिसमें आयोजन समिति के साथ-साथ पाबौ व्यापार मंडल एवं टैक्सी यूनिट का महत्वपूर्ण सहयोग रहता है। इस अवसर पर समिति के संरक्षक दुर्गेश थपलियाल, संदीप सिंह रावत, प्रदीप नेगी, भरत सिया रावत, विमल सिया नेगी, संजय कुमार चमोली, सचिन रावत, मनोज रावत सहित अनेक खेल प्रेमी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

एक नजर

नेताजी की अस्थियों को जापान से भारत लाने की मांग की उनकी बेटी ने

नयी दिल्ली, 22 जनवरी (वार्ता) देश 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती मनाने की तैयारी कर रहा है, इस बीच उनकी पुत्री अनीता बोस फाफ ने जापान के रेनकोजी मंदिर में रखी अस्थियों को वापस लाने की मांग की है। वह और उनके परिवार के कई सदस्य इन अस्थियों को नेताजी के अवशेष मानते हैं।

सुश्री फाफ ने कहा कि बेहद दुखद है कि भारत की आजादी के लिए लड़ते हुए अपने जीवन को न्यौछावर करने वाले नेताजी की मृत्यु के 80 साल बाद और देश की आजादी के 78 साल बाद भी उनके अवशेष मातृभूमि से बाहर रखे हुए हैं। सुश्री फाफ ने 'यूनीवार्ता' को भेजे एक बयान में कहा, ' मैं नेताजी का सम्मान करने वाले भारतीयों को आमंत्रित करती हूं कि वे उनके अवशेषों को अंतिम और उचित संस्कार के लिए भारत लाये जाने का समर्थन करें। ' नेताजी के भाई शरत बोस की पोती माधुरी बोस ने कहा कि परिवार अस्थियों की वापसी और उनके डीएनए परीक्षण की मांग कर रहा है ताकि उनके इस विश्वास की पुष्टि हो सके कि ये महान स्वतंत्रता सेनानी के ही अवशेष हैं। सुश्री माधुरी बोस ने 'यूनीवार्ता' से कहा, ' हम नेताजी के परिवार के सदस्य महान नेता के अवशेषों की सम्मानजनक वापसी की मांग कर रहे हैं और मुझे आशा है कि यह जल्द ही होगा। ' आजाद हिंद फौज के कर्नल हबीबुर रहमान सहित कई प्रत्यक्षदर्शियों ने नेताजी की मृत्यु के संबंध गठित आयोग के समक्ष गवाही दी थी कि अगस्त 1945 में ताइपे में एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गयी थी। उनके जीवित बचने या उस

विशेष विमान में उड़ान न भरने की धारणाएं प्रचलित रही हैं। कुछ धारणाओं के अनुसार नेताजी किसी तरह भारत लौट आये थे और देश में भेष बदलकर रह रहे थे। किसी रूसी गुलाग (जेल) में उनकी मौत की भी धारणा प्रचलित हुई थी। सुश्री माधुरी बोस ने बताया कि नेताजी की पुत्री अनीता फाफ, उनके बड़े भाई के पुत्र और प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी द्वारका नाथ बोस और नेताजी के एक अन्य भतीजे अर्धेंदु बोस सहित परिवार के तीन सदस्यों ने अक्टूबर 2016 और दिसंबर 2019 में सरकार से विवाद खत्म करने के लिए रेनकोजी की अस्थियों के डीएनए परीक्षण का आदेश देने का अनुरोध किया था। अब तक हालांकि ऐसा नहीं किया गया है। सुश्री फाफ ने नेताजी के जीवन और संघर्ष को याद करते हुए अपने संदेश में उल्लेख किया कि उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के लिए दशकों समर्पित किये। बाद में जब कारावास में रहने से उनका मिशन असंभव हो गया तो उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम को जारी रखने के लिए भारत छोड़ने और इस लड़ाई को देश के बाहर से चलाने का निर्णय लिया। यूरोप की ओर उनका पलायन, उसके बाद एक पनडुब्बी के जरिए दक्षिण-पूर्व एशिया की खतरनाक यात्रा और आजाद हिंद फौज के नेतृत्व में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार का गठन हुआ। सुश्री फाफ ने बताया कि अगस्त 1945 में जापान के आत्मसमर्पण के बाद, नेताजी सिंगापुर से टोक्यो के लिए रवाना हुए थे, लेकिन 18 अगस्त 1945 को ताइपे में एक घातक विमान दुर्घटना का शिकार हो गये। वह हालांकि गंभीर रूप से जलने के बावजूद शुरुआती दुर्घटना में बच गये थे, लेकिन उसी दिन बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। ताइपे में उनका अंतिम संस्कार किया गया और उनकी अस्थियां बाद में टोक्यो ले जायी गयीं। नेताजी की अस्थियां तब से जापान के रेनकोजी मंदिर के मुख्य पुजारी द्वारा सुरक्षित कस्टडी में रखी गयीं थी, जहां वे आज भी रखी हुई हैं।

रिजर्व बैंक ने खरीदी 50,000 करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां

मुंबई, 22 जनवरी (वार्ता) रिजर्व बैंक ने गुरुवार को खुले बाजार से 50,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदीं। केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों के पास नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के उपायों के तहत यह खरीद की है। यह चार समान किस्तों में दो लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के तहत अंतिम किस्त है।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार: शिविर में 15 शिकायतें दर्ज, 66 लाभार्थी हुए लाभान्वित

पथ प्रवाह, पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत विकासखंड पोखड़ा की न्याय पंचायत गवाणी में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 15 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से कई का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतें शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेजी गयी हैं।

शिविर की अध्यक्षता डीएफओ सिविल एवं सोयम पवन नेगी ने की। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम का उद्देश्य शासन-प्रशासन को आम जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि लोगों को योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से मिल सके। उन्होंने कहा कि शेष शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाएगा।

नोडल अधिकारी शिविर एवं सहायक निबंधक सौरभ कुमार ने बताया कि शिविर के

माध्यम से 66 लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। वहीं 417 लोगों ने शिविर में प्रतिभाग कर विभागीय सेवाओं का लाभ उठाया। इसके अलावा शिविर में स्वास्थ्य विभाग, कृषि, उद्यान, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, पशुपालन, बाल विकास विभाग सहित कुल 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां अधिकारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर ही आवेदन व समस्याओं का समाधान भी किया।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख संजय गुसाईं, ज्येष्ठ उप प्रमुख प्रदीप सिंह, खंड विकास अधिकारी सूर्य प्रकाश शाह सहित अन्य विभागीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अवैध तमंचे के साथ एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद हरिद्वार में अपराधों की रोकथाम व आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर अंकुश लगाये जाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत थाना पथरी पुलिस ने रात्रि चेकिंग के दौरान पथरी क्षेत्र में खांड बस्ती जाने वाली तिराहे पर ट्यूबबेल के पास से जसविंदर नाम के एक संदिग्ध व्यक्ति को एक अवैध तमंचा 315 बोर मय जिन्दा कारतूस के साथ पकडा। आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया। पथरी पुलिस का कहना हे कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी है। थाना स्तर पर अलग अलग टीमों को गठन कर यह अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय लोगों से भी अपील की जा रही है कि यदि उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर आए तो वह पुलिस को जरूर सूचना दे।

झबरेड़ा पुलिस ने अवैध अस्लाह के साथ एक पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद हरिद्वार द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों, संदिग्ध वाहनों एवं सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 21.01.2026 को थाना झबरेड़ा पुलिस टीम द्वारा ग्राम शेरपुर पुलिया

के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध को अवैध अस्लाह के साथ दबोचा गया। आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर तथा एक जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया।आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपी का नाम संसार सिंह पुत्र ऋषिपाल निवासी ग्राम शेरपुर खेलमऊ, थाना झबरेड़ा, हरिद्वार बताया गया है।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे बोली औष?धीय फसलों और जड़ी-बूटी उत्पादन से आर्थिकी होगी बेहतर

पथ प्रवाह, बागेश्वर

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जड़ी-बूटी उत्पादन, विशेषकर कुटकी की खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पंचायत भवन कर्मी में प्रगतिशील काश्तकारों के साथ संवाद किया। इस दौरान जड़ी-बूटी खेती में आ रही व्यावहारिक समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा कुटकी उत्पादन से जुड़े किसानों ने अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कहा कि जड़ी-बूटी खेती में अपार संभावनाएं हैं और पारंपरिक खेती के साथ-साथ कुटकी जैसी औषधीय फसलों का उत्पादन बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्लस्टर आधारित खेती अपनाने से बेहतर उत्पादन और अधिक आर्थिक लाभ संभव है। जड़ी-बूटी खेती से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि पलायन पर रोक लगाने और पर्वतीय क्षेत्रों में आबादी बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि जड़ी-बूटी फसलों को जंगली जानवरों से नुकसान नहीं होता।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कुटकी के साथ इंटर-क्रॉपिंग को बढ़ावा देने पर बल देते हुए काश्तकारों के प्रस्तावों को स्वीकृत करने का आश्वासन दिया। साथ ही सिंचाई सर्वेक्षण के लिए खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने मृदा परीक्षण, काश्तकारों को प्रशिक्षण, सिंचाई सुविधा, तारबाड़, खाद एवं कीट नियंत्रण हेतु जिला भेषज संघ को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बड़े स्तर पर उत्पादन होने की स्थिति में जिलाप्रशासन द्वारा विपणन एवं वितरण की व्यवस्था भी की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी ने कहा कि जिला प्रशासन का स्पष्ट विजन है कि प्रत्येक खेत में जड़ी-बूटी उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने बताया कि अब तक किसानों को चार चरणों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कुटकी की खेती में जोखिम कम और लाभ अधिक है तथा शीघ्र ही मिनी बैंक के माध्यम से किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस अवसर पर जड़ी-बूटी उत्पादन कर रहे लोकपाल सिंह, प्रताप सिंह, नंदन सिंह दुबड़िया, उमा देवी, ममता देवी, सुंदर सिंह, मोहिनी दानू, भागीचंद एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। वर्तमान में जनपद में कूट, कुटकी, रोजमेरी, डेंडेलियन एवं काला जीरा का उत्पादन किया जा रहा है। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक शिल्पी पंत, जिला भेषज समन्वयक ताहिर हुसैन, जिला भेषज संघ के सचिव हुकम सिंह कुंवर, ग्राम प्रधान देशराज कठायत सहित कर्मी एवं बाछम, कीमू, झुनी, खलझुनी, सोराग, डोला और बोरबलड़ा के प्रगतिशील काश्तकार उपस्थित रहे।

एक नजर

भारत की बेटियां हर क्षेत्र में बना रही हैं नये रिकार्ड : मोदी

नयी दिल्ली, 22 जनवरी (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि श्री मोदी ने कहा कि जिस देश में पुत्रियों को लक्ष्मी के समान पूजा जाता है, वहां आज से 11 वर्ष पहले इसी दिन 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान आरंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने बेटियों के महत्व पर आधारित शाश्वत भारतीय मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हुए कहा कि एक पुत्री दस पुत्रों के समान है और दस पुत्रों से प्राप्त पुण्य या सद्गुण एक पुत्री से भी प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा 'कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नये रिकॉर्ड बना रही हैं। उल्लेखनीय है कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत 22 जनवरी 2015 को हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य लड़कियों के अस्तित्व, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है।

ओडिशा में प्रतिबंधित कफ सिरप की भारी खेप जब्त, दो नाबालिगों सहित आठ लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा के बरगढ़ जिले में पुलिस ने बुधवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया और दो नाबालिगों को मादक औषधि एवं मनोरोगी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के अंतर्गत हिरासत में लिया। इन व्यक्तियों के कब्जे से प्रतिबंधित कोडीन आधारित एस्कुफ कफ सिरप की भारी मात्रा बरामद की गई। बरगढ़ के पुलिस अधीक्षक प्रहलाद सहाय मीना ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर, बरगढ़ टाउन पुलिस ने काटापाली रोड पर एक सुनसान मकान पर छापेमारी की और प्रतिबंधित सामग्री जब्त करने के साथ-साथ संदिग्ध मादक पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश बसंत पंचमी पर भोजशाला में पूजा और नमाज़ के लिए समय तय

धार। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्यप्रदेश के धार जिले स्थित भोजशाला-कमाल मौला परिसर को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया। अदालत ने 23 जनवरी, शुक्रवार को बसंत पंचमी के अवसर पर हिंदू पक्ष को सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां सरस्वती (वाग्देवी) की पूजा की पूरी अनुमति दी है, जबकि मुस्लिम पक्ष को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक जुमे की नमाज़ अदा करने की छूट प्रदान की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

गणतंत्र दिवस 2026 का भव्य पूर्वावलोकन : भारतीय वायु सेना ने कर्तव्य पथ पर दिखाई युद्धक शक्ति, संगीत और पूर्व सैनिकों की गौरवशाली विरासत

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने आज, 22 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस परेड (आरडीपी) के लिए अपना प्रेस पूर्वावलोकन आयोजित किया। इस दौरान कर्तव्य पथ पर होने वाले राष्ट्रीय समारोहों के मुख्य आकर्षणों–मार्चिंग दस्ते, पूर्व सैनिकों की झांकी और फ्लाईपास्ट का विस्तृत विवरण साझा किया गया। मीडिया को जानकारी देते हुए भारतीय वायु सेना ने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जो भारत की सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। भारतीय वायु सेना के आदर्श वाक्य नभः स्पृशं दीप्तम के अनुरूप, परेड के सभी घटक राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के साथ-साथ देश की सीमाओं की रक्षा के प्रति वायु सेना की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करेंगे। इस वर्ष भारतीय वायु सेना, गणतंत्र दिवस समारोह से जुड़े सभी औपचारिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए लीड सर्विस की भूमिका निभा रही है। गणतंत्र दिवस परेड के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित होने वाला भव्य गार्ड ऑफ ऑनर, जहाँ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, उसका नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर हेमंत सिंह कात्याल द्वारा किया जाएगा। मीडिया ब्रीफिंग की शुरुआत भारतीय वायु सेना के मार्चिंग दस्ते के परिचय के साथ हुई, जो परंपरा और आधुनिकता के एक विशिष्ट संगम का प्रतिनिधित्व करेगा। सेना की विभिन्न इकाइयों से अपनी उत्कृष्ट सैन्य मुद्रा के आधार पर चुने गए 144 युवा वायु योद्धाओं से बना यह दस्ता, गर्व और गौरव की विरासत को सम्मानित करने के साथ-साथ भारतीय वायु सेना के मूल मूल्यों को दृढ़ता से बनाए रखने के लिए हफ्तों के कठोर प्रशिक्षण से गुजरा है। भारतीय वायु सेना के इस मार्चिंग दस्ते का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर जगदीश कुमार कर रहे हैं, जिनके साथ स्क्वाड्रन लीडर निकिता चौधरी, फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रखर चंद्राकर और फ्लाइट लेफ्टिनेंट दिनेश सुपरन्यूमेररी अधिकारियों के रूप में शामिल हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने की मासिक समीक्षा बैठक

पथ प्रवाह, पौड़ी।

उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल एवं जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल द्वारा सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव नाज़िश कलीम की अध्यक्षता में प्राविधिक स्वयंसेवकों एवं अधिकार मित्रों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में माह जनवरी 2026 के प्लान ऑफ एक्शन पर चर्चा करते हुए आगामी विधिक जागरुकता कार्यक्रमों एवं शिविरों के आयोजन, लक्षित वर्गों तक विधिक सेवाओं की पहुंच तथा प्राविधिक स्वयंसेवकों/अधिकार मित्रों की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। सचिव ने उपस्थित स्वयंसेवकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, स्थायी लोक अदालत, मध्यस्थता एवं विधिक जागरूकता अभियानों से जोड़ें। उन्होंने समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों तक विधिक सेवाओं की जानकारी पहुंचाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर लोगों को उनके कानूनी अधिकारों तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाय, जिससे अधिकाधिक पात्र व्यक्ति इन सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल कमल प्रसाद बमराड़ा, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल महेश बलूनी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार, पैनल अधिवक्ता कुसुम नेगी, सदस्य स्थायी लोक अदालत अतुल पोखरियाल सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्र उपस्थित रहे।

निरंजनी अखाड़े के हनुमान मंदिर में लगायी गृहमंत्री अमित शाह ने अपनी अर्जी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

देश के गृहमंत्री अमित शाह वीरवार को हरिद्वार स्थित निरंजनी अखाड़ा के हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना कर अपनी अर्जी लगायी। बताया गया कि गृहमंत्री करीब 15 मिनट तक यहां रहे और आश्रम से गंगा के दर्शन भी किये। बैरागी कैंप में चल रहे शताब्दी समारोह कार्यक्रम के बाद गृहमंत्री अमित शाह दोपहर में निरंजनी अखाड़े के हनुमान मंदिर में अपनी अर्जी लगाने पहुंचे। दरअसल निरंजनी अखाड़े में स्थित हनुमान मंदिर सिद्ध पीठ है। मान्यता है कि यहां भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण होती हैं। जो व्यक्ति सच्चे मन से यहां अर्जी लगता है उसकी मनोकामनां जरूर पूरी होती है। निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत राम रतन गिरी ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह मंदिर में दर्शन कर काफी खुश नजर आए। और उन्होंने यहां पूजा अर्चना भी की। अर्जी लगाने के बाबत जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह सिद्ध पीठ है और यहां पर अर्जी लगाने के लिए हर कोई आता है, हो सकता है गृहमंत्री ने भी यहां अपनी किसी मनोकामना के लिए अर्जी लगाई हो।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकी के समावेशन से संबंधित पॉलिसी फ्रेमवर्क जारी किया

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने 22 जनवरी, 2026 को सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकी के समावेशन से संबंधित पॉलिसी फ्रेमवर्क जारी किया। यह एक व्यापक नीतिगत दस्तावेज है, जिसमें सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन हेतु नीति और रोडमैप निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य क्वांटम प्रौद्योगिकी के चार प्रमुख स्तंभों क्वांटम संचार, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम सेंसिंग एंड मेट्रोलॉजी और क्वांटम सामग्री एवं उपकरण को तीनों सेनाओं में एकीकृत करना है। इस पहल का उद्देश्य तीनों सेनाओं को भविष्य के युद्धक्षेत्र की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना और तेजी से परिवर्तित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी वर्चस्व प्राप्त करना है। इस विजन डॉक्यूमेंट में क्वांटम प्रौद्योगिकियों के एकीकरण हेतु आवश्यक तालमेल स्थापित करने, राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के साथ सुदृढ़ सरेखण सुनिश्चित करने का स्पष्ट मार्ग परिभाषित किया गया है, जिसमें रक्षा बल एक अभिन्न घटक हैं। दस्तावेज में रक्षा बलों के भीतर इस विशिष्ट क्षेत्र के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक सांकेतिक रोडमैप और नीतिगत ढांचा भी निर्धारित किया गया है। यह विजन डॉक्यूमेंट तीनों सेनाओं के समन्वित प्रयासों के माध्यम से सशस्त्र बलों में अत्याधुनिक क्वांटम प्रौद्योगिकियों के समावेशन की ठोस आधारशिला प्रदान करेगा। यह विजन डॉक्यूमेंट रक्षा परिप्रेक्ष्य से इन विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को आत्मसात करने की बढ़ती आवश्यकता पर बल देता है। यह असैन्य-सैन्य समेकन के माध्यम से हासिल किए जाने वाले मील के पत्थरों एवं लक्ष्यों को रेखांकित करता है, जिसमें विभिन्न सरकारी क्षेत्रों के सदस्यों से सहयोग प्राप्त समर्पित शासी निकाय शामिल हैं। यह रूपरेखा भविष्य के युद्धक्षेत्र में तकनीकी श्रेष्ठता सुनिश्चित करने हेतु इन प्रौद्योगिकियों के प्रभावी आत्मसात में संयुक्तता और एकीकरण की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता को भी स्पष्ट रूप से उजागर करती है। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह और एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित उपस्थित थे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com